प्रमुख घटनाएं और उपलब्धियां

(अगस्त, 2018)

*****

प्रमुख घटनाएं एवं उपलब्धियां

1. मार्च, 2019 तक 15,000 स्वास्थ्य आरोग्य केंद्रों (एचडब्ल्यूसी) के लक्ष्य की तुलना में अभी तक 21400 से अधिक स्वास्थ्य आरोग्य केंद्र अनुमोदित किए जा चुके हैं। आज की तारीख तक 2286 एचडब्ल्यूसी को (अपेक्षित जिलों में 570 एचडब्ल्यूसी सहित) क्रियाशील बनाया जा चुका है।
2. सचिव (एचएफडब्ल्यू) की अध्यक्षता में एक भारतीय शिष्टमंडल ने 28 से 30 अगस्त, 2018 के दौरान स्टॉकहोम, स्वीडन में मातृ, नवजात और बाल स्वास्थ्य भागीदारिता (पीएमएनसीएच) बोर्ड रिट्रीट में भाग लिया।
3. एमसीआई की सिफारिश पर, 50 पीजी सीटों (व्यापक विशेषज्ञता) के लिए अनुमति-पत्र (एलओपी) जारी किए गए हैं। विभिन्न कॉलेजों/संस्थानों में 42 पीजी (व्यापक विशेषज्ञता) को मान्यता देने के लिए अधिसूचनाएं जारी की जा चुकी हैं।
4. विभिन्न लाभार्थी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों/सरकारी विभागों में 227 एमबीबीएस और 40 बीडीएस केंद्रीय पूल की सीटों के आबंटन हेतु आदेश जारी कर दिए गए हैं।
5. 08 दंत-चिकित्सा कॉलेजों में एमडीएस डिग्री की मान्यता के संबंध में अधिसूचनाएं/मान्यता पत्र जारी किए जा चुके हैं।
6. एचआईवी/एड्स का प्राइवेट क्षेत्र में किए जाने वाले उपचार के संबंध में अनिवार्य रूप से रिपोर्टिंग करने के लिए अपर सचिव और महानिदेशक (नाको और आरएनटीसीपी) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की अध्यक्षता में, 13 अगस्त, 2018 को नई दिल्ली में भारतीय चिकित्सा परिषद के साथ परामर्श बैठक का आयोजन किया गया था।
7. पीसी एंड पीएनडीटी अधिनियम, 1994 के कार्यान्वयन की अनुपालना को सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय निरीक्षण और निगरानी समिति (एनआईएमसी) ने 30 से 31 अगस्त, 2018 तक जम्मू और कश्मीर राज्य का दौरा किया।
8. विश्व जैव ईंधन दिवस पर भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने पुन:-प्रयोजन प्रयुक्त खाद्य तेल (आरयूसीओ), जो कि एक पारिस्थितिक तंत्र है, लांच किया है जो उपयोग किए गए खाद्य तेल को एकत्र करने और उसे बॉयोडीज़ल में परिवर्तित करने में सक्षम होगा।
9. एफएसएसएआई, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने खाद्य पदार्थों में मिलावट, सरोकारों और खाद्य सुरक्षा संबंधी अन्य मामलों पर उपभोक्ताओं की आम चिंताओं का निराकरण करने के लिए दिशा-निर्देश विकसित करने तथा उनका प्रचार-प्रसार करना प्रारंभ कर दिया है। "फलों को कृत्रिम तरीके से विकसित करने" और "अंड़ों की गुणवत्ता और सुरक्षा: प्लास्टिक अंडों के बारे में फैली भ्रांतियों को दूर करना" विषय पर दो दिशा-निर्देश नोट तैयार किए है तथा एफएसएसआई ने अपनी वेबसाइट और सोशल मीड़िया हैण्डल के माध्यम से इन्हें साझा किया है।
10. बुनियादी ढांचे के सृजन/नवीकरण; सूक्ष्म जीव विज्ञान प्रयोगशाला की स्थापना/उन्नयन और महंगे उपकरणों की खरीद के लिए 7 राज्यों (गुजरात, केरल, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, ओडिशा और पंजाब) को कुल 15 करोड़ रुपए की राशि मंजूर/जारी की जा चुकी है।
11. राष्ट्रीय दृष्टिहीनता नियंत्रण कार्यक्रम के तहत अगस्त, 2018 माह में, मोतियाबिंद के लगभग 4.18 लाख ऑपरेशन किए गए, स्कूली बच्चों को 22,176 नि:शुल्क चश्मों का वितरण किया गया और दान की गई 4,195 आंखे एकत्र की गई।

******